उच्च प्रबंधन टीम THE TOP MANAGEMENT TEAM

महाप्रबंधक General Managers

ए. एस. खुराना A. S. Khurana	आर. के. गर्ग R. K. Garg	टी. वी. लक्ष्मीनारायणन T. V. Lakshminarayanan	एस. वैद्यनाथन S. Vaidyanathan
वी. जे. संतानम V. J. Santhanam	जे. के. चंदर J. K. Chander	एस. सी. मेहता (डॉ.) S. C. Mehta (Dr.)	आर. पी. बंसल R. P. Bansal
के. के. अग्रवाल K. K. Agarwal	बी. ए. प्रभाकर B. A. Prabhakar	वी. बी. एल. सक्सेना V. B. L. Saksena	डी. डी.माहेश्वरी D. D. Maheshwari
एम. बी. सामंत M. B. Samant	टी. के. कृष्णन T. K. Krishnan	वी. एस. हेगड़े V. S. Hegde	एस. सी. कालिया S. C. Kalia
बी. जी. बारिया B. G. Baria	बी. पी. चक्रबर्ती B. P. Chakraborty	डी. ए. पारेख D. A. Parekh	एम. एम. गाडगिल M. M. Gadgil
वी. चंद्रशेखर V. Chandrasekhar	ए. डी. पारुलकर A. D. Parulkar	एस. पी. अग्रवाल S. P. Agarwal	जी. जी. जोशी G. G. Joshi

उप महाप्रबंधक Deputy General Managers

एम. टी. उदेशी M. T. Udeshi	एन. के. कपूर N. K. Kapoor	आर. के. वेलू R. K. Velu	वी. शेषाद्री V. Seshadri	जी. गणपति रमन G. Ganapathy Raman
एस. एस. केलकर S. S. Kelkar	असित पाल Asit Pal	पी. वी. देसाई P. V. Desai	जी नागमल रेड्डी G. Nagmal Reddy	डी. मुकर्जी D. Mookerjee
डी. के. गोविल D. K. Govil	मुनीर खान Muneer Khan	वी. के. वर्मा (डॉ.) V. K. Verma (Dr.)	एन. रमणी N. Ramani	बी. पी. रोहिल्ला B. P. Rohilla
मनुभाई पारेख Manubhai Parekh	ए. आर. सुगुमारन A. R. Sugumaran	एन. आर. बद्रीनारायण N. R. Badrinarayan	अजय कुमार Ajay Kumar	एस. नागपाल S. Nagpal
एन. एल. खुराना N. L. Khurana	एस. पी. गर्ग S. P. Garg	बी. कृष्णकुमार B. Krishnakumar	मीनल भगत (श्रीमती) Minal Bhagat (Ms.)	एस. भट्टाचार्य S. Bhattacharya
अमिताभ सान्याल Amitav Sanyal	डी. राजगोपालन D. Rajagopalan	पी. एल. कागलवाला P. L. Kagalwala	एस. के. श्रीवास्तव S. K. Srivastava	जे. एन. खंडेलवाल J. N. Khandelwal
पी. एस. जोशी P. S. Joshi	सिरिल पात्रो Cyril Patro	डी. सरकार D. Sarkar	जी. सी. शर्मा G. C. Sharma	यू. पी. सांगेकर U. P. Sangekar
एम. पी. रानडे M. P. Ranade	प्रकाश जैन Prakash Jain	के.एन. सुवर्णा K. N. Suvarna	के. एम. रामसुब्रमणी K. M. Ramasubramoney	जे. रमेश J. Ramesh
ए. सी. सूरी A. C. Suri	आर. के. बंसल R. K. Bansal	वी. के. विग V. K. Vig	एस. के. भार्गव S. K. Bhargava	ए. के. गुप्ता A. K. Gupta

www.reportjunction.com

विषय सूची Contents

		पृष्ठ / Page
अध्यक्षीय वक्तव्य	Chairman's Statement	03
नोटिस	Notice	06
निदेशकों की रिपोर्ट	Directors' Report	09
तुलन-पत्र	Balance Sheet	34
लाभ-हानि लेखा	Profit & Loss Account	35
नकदी-प्रवाह विवरणी	Cash Flow Statement	64
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report	66
समेकित वित्तीय विवरणियां	Consolidated Financial Statements	69
कार्पोरेट-नियंत्रण	Corporate Governance	93
ईसीएस / प्रॉक्सी फार्म / उपस्थिति पर्ची	ECS / Proxy Form / Attendance Slip	119

Report Junction.com

लेखा परीक्षक / Auditors

मै. शाह गुप्ता एंड क.
सनदी लेखाकार
M/s. Shah Gupta & Co
Chartered Accountants

मै. के.के. सोनी एंड कं.
सनदी लेखाकार
M/s. K.K. Soni & Co
Chartered Accountants

मै. टी. आर. चड्ढा एंड कं.
सनदी लेखाकार
M/s. T.R. Chadha & Co
Chartered Accountants

मै. एस. वेंकटराम एंड कं.
सनदी लेखाकार
M/s. S. Venkatram & Co
Chartered Accountants

मै. रे एंड रे
सनदी लेखाकार
M/s. Ray & Ray
Chartered Accountants

मै. जी. बसु एंड कं.
सनदी लेखाकार
M/s. G. Basu & Co
Chartered Accountants

प्रधान कार्यालय
बड़ौदा हाऊस,
माण्डवी, वड़ोदरा 390 006.

बड़ौदा कार्पोरेट सेन्टर
सी-26, जी-ब्लॉक,
बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स,
बान्द्रा (पू.), मुंबई 400 051.

निवेशक सेवाएं विभाग
चौथा तल, सूरज प्लाजा-I
सयाजीगंज,
वड़ोदरा 390 005.

रजिस्ट्रार एवं अन्तरण एजेंट
मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लि.
46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1,
बंजारा हिल्स, हैदराबाद 500 034.

Head Office
Baroda House,
Mandvi,
Vadodara 390 006.

Baroda Corporate Centre
C-26, G-Block,
Bandra-Kurla Complex,
Bandra (E), Mumbai 400 051.

Investor Services Department
4th Floor, Suraj Plaza-I
Sayajigunj,
Vadodara 390 005.

Registrars & Transfer Agent
M/s. Karvy Computershare Pvt. Ltd.
46 Avenue 4, Street No.1,
Banjara Hills,
Hyderabad 500 034.

www.reportjunction.com

अध्यक्षीय वक्तव्य CHAIRMAN'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारको,

बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का यहां उल्लेख करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है.

भारत के लिए वर्ष 2004-05 उपलब्धियों से भरा रहा है. अपर्याप्त मानसून, वैश्विक स्तर पर तेल के दामों में व्याप्त रही अस्थिरता, वैश्विक वित्तीय बाजारों की अनिश्चित संभावाओं और सुनामी प्राकृतिक आपदाओं जैसी विपरीत स्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई. स्टैंडर्ड्स एंड पूअर्स, मूडीज तथा आईसीआरए जैसी रेटिंग एजेंसियों ने देश की रेटिंग को अपग्रेड किया है. सुदृढ़ औद्योगिक स्थिति, सकारात्मक निवेश-जन्य माहौल, उत्साह वर्धक कार्पोरेट वित्तीय परिणामों और बाजारोन्मुख केन्द्रीय बजट ने भारत को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का पसंदीदा देश बना दिया है.

मार्च 2005 को आपके बैंक का समग्र कारोबार रु. 1,24,734 करोड़ के आंकडे को पार कर गया है. अग्रिमों में 20% से अधिक की वृद्धि हुई है. खुदरा ऋण के क्षेत्र में बैंक ने 51.34% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है. मार्च 2005 को, देशीय ऋणों में खुदरा ऋण का अंश 16.96% हैं.

वर्ष के दौरान बैंक का परिचालनगत लाभ, बांड मार्केट में ब्याज दरों में तेजी से हुई वृद्धि तथा परिणामस्वरूप निवेश में मूल्यह्रास के कारण 7.38% गिरकर रु. 2301.91 करोड़ रह गया. बहरहाल, बैंक अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) का सुधारने में सफल रहा तथा यह 2003-04 के स्तर 3.11% की तुलना में वर्ष 2004-05 में 3.18% हो गया. प्रति शेयर बही मूल्य रु. 166.46 से बढ़कर रु. 183.83 हो गया. 90 दिवसीय चूक अवधि मानदंडों के लागू होने के बाद बैंक का सकल एनपीए कम होकर 6.69% तथा शुद्ध एनपीए 1.45% हो गया.

पिछले वर्ष के रु. 967 करोड़ की तुलना में वर्ष 2004-05 में बैंक का शुद्ध लाभ रु. 676.84 करोड़ रहा. शुद्ध लाभ में गिरावट मुख्यतः निवेशों पर अधिक प्रावधान किए जाने के कारण आई. आपके बैंक ने 50% के लाभांश की घोषणा की है जिसमें वर्ष के दौरान अदा किए गए 18% अन्तरिम लाभांश की राशि शामिल है.

खुदरा ऋण को पर्याप्त महत्व देने के लिए आपके बैंक ने -5- खुदरा ऋण उत्पाद अर्थात **बड़ौदा होम इम्प्रूवमेंट लोन, बड़ौदा फेस्टिवल लोन, बड़ौदा इको फ्रेंडली गैस किट लोन, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों / विश्वसनीय कंपनियों के निर्गमों में निवेश हेतु वैयक्तिक ऋण, भावी किराया प्राप्तियों के पेटे अग्रिम, कार्यपालक विकास हेतु बड़ौदा ऋण शुरू किए हैं.** बैंक ने प्रायोगिक आधार पर चयनित शहरों में **''बड़ौदा प्रीमियम करंट एकाउंट''** नामक देयता उत्पाद की शुरुआत की है. बैंक ने कार्पोरेट एजेन्सी व्यवस्था के तहत उनके गैर जीवन बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए नेशनल इंश्यूरेंस कं. लि., के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. साथ ही, खुदरा ऋण को अधिक महत्व देने के उद्देश्य से 100 रिटेल शॉपी स्थापित करने का भी बैंक का प्रस्ताव है. इसके अतिरिक्त, खुदरा ऋण क्षेत्र में त्वरित कार्यवाही / डिलीवरी के लिए बैंक प्रारंभ में नई दिल्ली एवं जयपुर दो केंद्रों पर केंद्रीय प्रोसेसिंग कक्ष खोल रहा है.

असंगठित क्षेत्र में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवकों को स्वरोजगार उपलब्ध करवाने की दृष्टि से बैंक ने लखनऊ, जयपुर, गांधीनगर, सूरत और थेऊर (महाराष्ट्र) में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस) नामक नवोन्मेषी संस्थानों की श्रृंखला स्थापित की है जिनका उद्देश्य उन्हे प्रशिक्षण प्रदान करना है. 2,00,000 कार्डों के लक्ष्य को पार करते हुए किसान क्रेडिट कार्डों के क्षेत्र में बैंक ने 2,21,085 नए कार्ड जारी किए.

Dear Shareholders,

I am pleased to place here your Bank's Annual Report and important developments during the year 2004-05.

The year 2004-05 has been an eventful year for India. Indian economy registered a growth rate of around 6.9 per cent, in spite of adverse conditions such as deficient monsoon, highly volatile global oil prices, uncertain outlook of global financial markets and natural calamities like Tsunami. The country's rating was upgraded by rating agencies like Standard & Poors, Moody's and ICRA. A strong industrial outlook, positive investment climate, encouraging corporate financial results and market–friendly Union Budget made India a preferred destination for foreign institutional investors (FIIs).

Your Bank's total business has reached Rs.1, 24,734 crore as at March 2005. Advances have grown by over 20%. In the area of retail credit, the Bank achieved an impressive growth of 51.34%. Retail Credit constituted 16.96% of domestic credit as at March 2005.

Operating profit of the Bank at Rs.2301.91 crore for the year was down by 7.38%, mainly due to steadily rising interest rates in the bond market and consequent depreciation in investments. The Bank could, however, improve its Net Interest Margin (NIM) from 3.11% in 2003-04 to 3.18% in 2004-05. The book value per share too improved from Rs.166.46 to Rs.183.83. After implementing the -90- day delinquency norms, gross NPAs have come down to 6.69% and net NPAs to 1.45%.

Net profit of the Bank stood at Rs. 676.84 crore for the year 2004-05 compared to Rs.967crore for the previous year. The decline in net profit was mainly due to higher provisioning on investments. Your Bank has declared a dividend of 50%, which includes the interim dividend of 18% paid during the year.

To provide added thrust to retail lending, your Bank has introduced -5- retail lending products viz. **Baroda Home Improvement Loan**, **Baroda Festival Loan**, **Baroda Professional Loan**, **Baroda Eco-friendly Gas Kit Loan, Loan to Individual for Subscribing to Public Issues of PSUs/Blue chip companies, Advances against Future Rent Receivables** and **Baroda Loan for Executive Development**. Bank has also introduced a liability product **"Baroda Premium Current Account"** in select cities on pilot basis**.** The Bank has signed an MOU with National Insurance Company Ltd. for selling their non-life insurance products under Corporate Agency Arrangement. Furthermore, the Bank proposes to set up 100 Retail Shoppes, to give added focus to retail lending. Bank is also opening Central Processing Cells, initially at two centres - New Delhi and Jaipur - for speedier delivery in the area of retail credit.

In order to provide self-employment opportunities to a large number of rural youth in the unorganised sector, the Bank has set up a series of innovative institutes in the name of Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (BSVS) at Lucknow, Jaipur, Gandhinagar, Surat and Theur (Maharashtra) with the objective of imparting training to them. In the area of Kisan Credit Cards, the Bank has issued 2,21,085 new cards, surpassing the target of 2,00,000 cards.

www.reportjunction.com

विभिन्न सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के लिए बैंक ने रु. 6.65 करोड़ की राशि दान स्वरुप वितरित की जिसमें सुनामी पीड़ितों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में दी गई रु. 5 करोड़ की राशि शामिल है.

आपके बैंक की विशिष्टता है इसकी सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति. विदेशी परिचालनों ने बैंक के कुल लाभ में करीब 25% तथा बैंक के कुल व्यवसाय में लगभग 15% का योगदान दिया. अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों की निरंतर वृद्धि को देखते हुए आपके बैंक ने चीन, मलेशिया और थाईलैंड जैसे पूर्वी और दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशो में व्यावसायिक अवसरों की संभावनाओं का पता लगाने का निर्णय लिया है. बैंक ने चीन और मलेशिया में अपने प्रतिनिधि कार्यालय पहले ही खोल लिए हैं और अक्तूबर, 2004 में तंजानिया में पुनः प्रवेश किया है. वर्ष 2005-06 की प्रथम छमाही मे बैंकाक में प्रतिनिधि कार्यालय तथा लिसेस्टर, यू.के. में एक शाखा के कार्य शुरु करने की संभावना है. इसके साथ ही आपका बैंक कनाडा, आइसल ऑफ मॅन, न्यूज़ीलैंड, त्रिनिदाद तथा टोबागो में संपूर्ण स्वामित्व युक्त अनुषंगियां तथा मालदीव व श्रीलंका में शाखाएं खोलने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की अनुमति की प्रतीक्षा कर रहा है. इसके अतिरिक्त बैंक की बोत्सवाना, दक्षिणी अफ्रीका और तंजानिया में नेटवर्क का विस्तार करने की योजना भी है.

बैंक ने 7 विदेशी क्षेत्रों में **कोर बैंकिग सोल्युशन** तथा तांजानिया में एक फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन स्विच भी कार्यान्वित किया है.

समय रहते जोखिम की पहचान, माप, मॉनीटरिंग एवं जोखिम कम करने के लिए आपके बैंक ने एकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रणाली की भी शुरुआत की है. बैंक ने यूएसजीएएपी के अंतर्गत अपने भारतीय खातों का ब्यौरा पुनः तैयार करने की प्रक्रिया पहले ही शुरु कर दी है और इसके शीघ्र ही पूरा होने की संभावना है.

पहले से ही विद्यमान टीबीएम पैकेजों के अतिरिक्त आपके बैंक ने एक वर्ष के रिकार्ड समय में क्लस्टर एप्रोच के माध्यम से -85- नोडल केंद्रों के तहत -518- शाखाओं को शामिल करते हुए **द्विभाषी एकीकृत शाखा ऑटोमेशन प्रणाली - बिबास की शुरुआत कर 100% कंम्प्यूटराइजेशन का लक्ष्य हासिल कर लिया है.**

ग्राहकों के और निकट पहुंचने तथा उन्हे और सुविधाजनक बैंकिंग प्रदान करने के लिए आपके बैंक ने कई ग्राहक केंद्रित कदम उठाए हैं. अपने व्यवसाय रुपांतरण कार्यक्रम के एक भाग के रुप में कोर बैंकिंग सोल्यूशन को लागू करने के लिए आपके बैंक ने एक प्रौद्योगिकी भागीदार को नियुक्त किया है. प्रथम वर्ष (वित्तीय वर्ष 2005-06) के दौरान 125 शाखाओ में इसकी शुरुआत करने की योजना है जब कि दूसरे वर्ष भारत में 600 शाखाओं तथा सभी अंतर्राष्ट्रीय शाखाओं को इसमें शामिल किया जाएगा. बैंक का एटीएम नेटवर्क 180 केन्द्रो में 501 एटीएम के आंकड़े को पार कर गया हैं. बैंक ने एक ही दिन में 201 एटीएम का शुभारंभ कर एक कीर्तिमान स्थापित किया. इस वर्ष के अंत तक एटीएम नेटवर्क 1000 तक पहुंच जाएगा. ग्राहकों को और अधिक सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से बैंक का एटीएम नेटवर्क सहभागिता के लिए एक प्रमुख बैंक के साथ तालमेल / टाइ-अप करने का प्रस्ताव है. डेबिट कार्ड जारी करने वाली शाखाओं की संख्या भी बढ़कर 500 हो जाएगी. कई नये आय.टी. उत्पादों के शुभारंभ हेतु इस वर्ष 1500 से अधिक शाखाओं को परपस्पर जोड़ दिया जाएगा.

ग्राहकों को और अधिक सुविधायुक्त सेवाएं प्रदान करने की दृष्टि से आपके बैंक ने 101 शाखाओ में प्रातः 8 बजे से सायं 8.00 बजे तक बैंकिंग तथा 5 शाखाओ में चौबीसों घंटे बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की शुरुआत भी की है. इन सभी प्रयासों का उद्देश्य ग्राहकों को विभिन्न सुपुदर्गी चैनलों के जरिए कभी भी कहीं भी बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करना है.

The Bank has donated Rs.6.65 crore for various socio-economic activities, including Rs.5 crore to the Prime Minister's Relief Fund for Tsunami victims.

Your Bank's distinct advantage is its strong international presence. Its overseas operations contributed about 25% to its Total Profits and about 15% to its Total Business. Looking to the continued growth of international operations, your Bank has decided to explore business opportunities in the countries of East and South East Asia - like China, Malaysia and Thailand. The Bank has already opened representative offices in China and Malaysia and re-entered Tanzania in October 2004. The representative office in Bangkok and a branch at Leicester, United Kingdom are expected to be functional in the first half of 2005-06. Your Bank is awaiting the Reserve Bank of India's approval for opening fully owned subsidiaries in Canada, Isle of Man, New Zealand, Trinidad and Tobago and branches in Maldives and Sri Lanka. Besides, the Bank plans to expand its network in Botswana, South Africa and Tanzania.

The Bank has also implemented **Core Banking Solution** in -7- overseas territories and a Financial Transaction Switch at Tanzania.

Your Bank has also put in place the integrated Risk Management Systems for timely risk identification, measurement, monitoring and mitigatio. The Bank has also started the process of restatement of its Indian accounts under the USGAAP and the exercise is expected to be completed shortly.

Your Bank has been able to achieve ***100% computerisation by rolling out Bilingual Integrated Branch Automation System (BIBAS), in addition to the existing TBM packages,*** covering -518- branches under -85- nodal centres through a cluster approach in a record time of one year.

Your Bank has taken several customer-centric initiatives in order to get closer to the customer and to provide him convenience banking. As part of the Business Transformation Programme, the Bank has signed up a Technology Partner for implementing Core Banking Solution. In the first year (2005-2006), 125 branches will be rolled out and in the second year, over 600 branches, including all international branches. The Bank's interconnected ATM network has been expanded to cross 501, spread over 180 centres in the country. In a record of sort, the Bank launched 201 ATMs, all in one go, on a single day. The ATM network will be further expanded to reach 1000 mark by the end of this year. With a view to providing larger number of touch points to the customer, the Bank proposes to tie-up with a major bank for ATM network sharing. Further, the number of debit card issuing branches will be expanded to cross 500. Over 1500 branches will be interconnected this year, paving way for launching of many IT products.

Your Bank has also introduced 8 AM to 8 PM Banking at 101 branches and 24-Hour Banking at 5 branches in the country, with a view to provide extended services to the customer. All these initiatives are designed to help the Bank to provide to the customer Anytime Anywhere Banking, through multiple delivery channels.

www.reportjunction.com

बैंक ने मार्केटिंग के क्षेत्र में नवोन्मेषी प्रयासों की श्रृंखला प्रारंभ की है. आज के परिदृश्य में सहज ग्राह्य तथा प्रभावशाली ब्रांड की आवश्यकता को महसूस करते हुए आपके बैंक ने गहन अनुसंधान के पश्चात अपने नए ब्रांड/ लोगो को अंतिम रुप दिया है. बैंक के नए लोगो ''द बड़ौदा सन'' का शुभारंभ 6 जून, 2005 को किया गया. बैंक ने राहुल द्रविड को अपना ब्रांड अम्बेसडर बनाया है. बाजार में अपनी उपस्थिति को प्रमुखता से दर्ज करने के लिए बैंक विपणन एवं प्रचार की दृष्टि से आक्रामक अभियान चलाएगा.

प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त लेने के लिए बैंक, प्रतिभा अर्जन और प्रबंधन पर विशेष जोर दे रहा है. इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए बैंक ने विभिन्न कार्यक्षेत्रों में प्रवीण अधिकारियों की भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की है. बैंक ने अपने कार्यपालकों की व्यापक प्रबंधन शिक्षण व्यवस्था के लिए देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों के साथ तालमेल किया है.

वर्ष 2004-05 के दौरान बैंक का समग्र कार्यनिष्पादन तथा 2005-06 की कार्यदृष्टि आशावाद के लिए ठोस धरातल उपलब्ध कराती है. अर्थव्यवस्था में 6 से 7% की वृद्धि होने और बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ स्थिति के साथ आपका बैंक निश्चित रूप से वर्ष 2005-06 में जमा-राशि और अग्रिम संवर्धन दोनों में शानदार कार्यनिष्पादन दर्ज करेगा. अपने सीआरएआर को सुदृढ़ करने हेतु आपका बैंक सितंबर, 2005 में किसी भी समय लगभग 1,500 करोड़ रुपए की राशि अर्जित करने के लिए अपना दूसरा सार्वजनिक निर्गम लाने की भी योजना बना रहा है.

जैसा कि मैंने पूर्व में कहा, आगामी वर्ष में आपका बैंक बहुत से नवोन्मेषी उपायों और उत्पादों की शुरुआत करेगा जो ग्राहक तथा सुविधाजनक बैंकिंग पर केंद्रित होंगे. आगामी वर्ष में बैंक उत्कृष्ट कारोबार कार्यनिष्पादन की दिशा में अग्रसर रहेगा. मुझे पूरा भरोसा है कि आपके सतत विश्वास एवं सहयोग से आपका बैंक सफलता के नए शिखरों पर पहुंचेगा.

अनिल के. खण्डेलवाल

(अनिल के. खंडेलवाल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Your Bank has also taken a slew of initiatives in the area of marketing and brand positioning. Recognizing that a strong brand with a high recall value is essential in the current times, your Bank has chosen a new logo after extensive market research. The new logo, "The Baroda Sun", was launched on June 6, 2005. The Bank has also signed up Rahul Dravid as its Brand Ambassador. Aggressive marketing and publicity campaigns are planned for this year in order to reposition the Bank and improve its visibility in the market place.

The Bank is placing major thrust on talent acquisition and management, to have a competitive edge over its peer banks. With this objective in mind, the process of recruitment of officers for various disciplines has been set in motion. The Bank has also tied up with leading Business Schools of the country for providing Comprehensive Management Education to its Senior Executives.

The overall performance of the Bank during 2004-05 and the outlook for 2005-06 provide strong foundations for optimism. With economy poised to grow at 6 to 7% and with the advantage of the resilient and vibrant banking sector, your Bank is confident of posting improved performance in the year 2005-06. To strengthen its CRAR, your Bank is planning to come out with a second public issue to raise about Rs.1,500 crore from the market around September 2005.

As stated earlier, the year ahead will see your Bank launching many new initiatives and many new products - all focused on the customer and on convenience banking. The year ahead should also witness robust business performance by the Bank. I am sure, with your continued trust and support, the Bank will be marching ahead to newer heights.

(ANIL K KHANDELWAL)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

नोटिस NOTICE

बैंक ऑफ़ बड़ौदा BANK OF BARODA

प्रधान कार्यालय : मांडवी, वड़ोदरा- 390 006

Head Office : Mandvi, Vadodara – 390 006

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारकों की नौवीं वार्षिक सामान्य बैठक 29 जुलाई 2005, शुक्रवार को प्रातः 10 बजे जनरल एज्यूकेशन ऑडिटोरियम, दादाभाई नौरोजी हॉल के निकट, एम.एस. यूनिवर्सिटी कैम्पस, प्रतापगंज, वड़ोदरा - 390 002 में संपन्न होगी. इसमें निम्नलिखित कारोबार संचालित होंगे :

''बैंक का 31 मार्च, 2005 का तुलनपत्र, 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष का लाभ-हानि लेखा, लेखों में समाहित अवधि के कार्यनिष्पादन तथा कार्यकलापों पर निदेशकों की रिपोर्ट और तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार विमर्श.''

स्थानः मुंबई
तारीखः 27.06.2005

अनिल के. खंडेलवाल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

The Ninth Annual General Meeting of the Shareholders of BANK OF BARODA will be held at General Education Auditorium, Near Dadabhoy Naorojee Hall , M. S. University Campus, Pratapgunj, Vadodara - 390 002 on, Friday, the 29th July, 2005 at 10.00 A.M.. to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2005, Profit & Loss Account for the year ended 31st March, 2005, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

Place: Mumbai
Date: 27.06.2005

ANIL K. KHANDELWAL
Chairman & Managing Director

टिप्पणियां :

1. प्रॉक्सी की नियुक्तिः

बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए पात्र शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने और मत देने के लिए प्रॉक्सी (वह शेयरधारक है या नहीं) नियुक्त करने हेतु पात्र होगा/होगी. प्रॉक्सी प्रभावी होने के लिए आवश्यक है कि मुख्तारनामा अथवा अन्य प्राधिकार, यदि कोई हो, जिसके अंतर्गत इस पर हस्ताक्षर किए गए हैं अथवा उस मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार पत्र की एक प्रति जिसे नोटरी पब्लिक अथवा किसी मैजिस्ट्रेट ने एक सत्य प्रतिलिपि के रूप में अधिप्रमाणित किया हो, जब तक कि उस प्रकार का मुख्तारनामा अथवा कोई अन्य प्राधिकार पत्र पहले बैंक में न जमा और न ही पंजीकृत कराया गया हो, के साथ बैठक की तारीख से -4-दिन पूर्व अर्थात् शुक्रवार, दिनांक 24 जुलाई, 2005 को सायं 5.00 बजे तक या उससे पहले प्रॉक्सी फार्म में निर्दिष्ट स्थान : **बैंक ऑफ़ बड़ौदा, निवेशक सेवाएं विभाग, चौथी मंजिल, सूरज प्लाज़ा-1, सयाजीगंज, वड़ोदरा- 390 005** में स्थित प्रधान कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए.

2. प्रतिनिधि की नियुक्तिः

कोई भी व्यक्ति किसी कंपनी के विधिवत प्रतिनिधि के रुप में बैठक में भाग लेने अथवा वोट देने के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि उसे एक यथाविधि प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने संबंधी संकल्प की एक प्रति जिसे उस बैठक के अध्यक्ष, जिसमें यह पारित किया गया था, द्वारा एक सत्य प्रतिलिपि के रूप में अभिप्रमाणित न किया गया हो, और बैठक की तारीख से -4- दिन पूर्व अर्थात् दिनांक 24 जुलाई, 2005 को सांय 5.00 बजे तक या इससे पहले बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा न कर दिया गया हो.

3. उपस्थितिपर्ची - सह प्रवेश पत्र :

सदस्यों की सुविधा हेतु इस रिपोर्ट के साथ उपस्थिति पर्ची संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि उपस्थिति पर्ची भरकर और उसमें दर्शाए गए स्थान पर अपने हस्ताक्षर करके, इसे बैठक स्थल के प्रवेश द्वार पर सौंप दें. शेयर धारक के प्रॉक्सी / प्रतिनिधि द्वारा उपस्थिति पर्ची पर यथास्थिति 'प्रॉक्सी' या 'प्रतिनिधि' जैसी भी स्थिति हो, अंकित कर देना चाहिए.

NOTES :

1. APPOINTMENT OF PROXY :

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY (WHETHER A SHAREHOLDER OR NOT) TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/HERSELF. The Proxy, in order to be effective, must be received at Head Office situated at **Bank of Baroda, Investors' Services Department, 4th Floor, Suraj Plaza-I, Sayajigunj, Vadodara - 390 005** not less than four days before the date of meeting i.e. on or before 5.00 p.m. on 24th July, 2005, together with a Power of Attorney or other authority, if any, under which it is signed or a copy of that Power of Attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such Power of Attorney or other authority has been previously deposited and registered with the Bank.

2. APPOINTMENT OF A REPRESENTATIVE :

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a Company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed, shall have been deposited at the Head Office of the Bank not later than four days before the date of meeting i.e. on or before 5.00 p.m. on 24th July, 2005.

3. ATTENDANCE SLIP-CUM ENTRY PASS :

For convenience of the Shareholders, Attendance Slip-cum-Entry Pass is annexed to this notice. Shareholders are requested to affix their signatures at the space provided therein and hand over the same at the venue of the Meeting. Proxy / Representative of the shareholder should state on the attendance slip as "Proxy" or "Representative", as the case may be.

www.reportjunction.com

4. **शेयरधारक - रजिस्टर का बंद होना:**

सदस्यों का रजिस्टर तथा बैंक की शेयर अंतरण बहियां 22 जुलाई, 2005 से 29 जुलाई, 2005 (दोनों दिनों सहित) तक बंद रहेगीं.

5. **लाभांश का भुगतान:**

बैंक के निदेशक मंडल ने दिनांक: 20.05.2005 को आयोजित अपनी बैठक में अंतिम लाभांश 32% की दर से घोषित किया जो 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के दौरान 18% की दर से प्रदत्त अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है. ऐसे लाभांश का भुगतान उन सदस्यों को किया जाएगा जिनके नाम 31.05.2005 अर्थात रिकार्ड तारीख को बैंक के सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज होंगे. लाभांश का भुगतान पात्र सदस्यों को 17.06.2005 को या इससे पहले कर दिया गया है. यदि किसी सदस्य को चालू वर्ष या पिछले वर्ष के लिए लाभांश प्राप्त नहीं हुआ है तो ऐसे सदस्य डुप्लिकेट लाभांश वारंट जारी करने के लिए बैंक के रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट को अनुरोध भेज सकते हैं.

6. **नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज़ (इंडिया) लिमिटेड के पास बैंक के शेयरों को इलेक्ट्रोनिक रुप में रखना :**

बैंक ने नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) एवं सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ बैंक के शेयरों के अभौतिकीकरण के लिए जारीकर्ता कंपनी के रुप में अनुबंध किया है.

7. **डाक पता / लाभांश अधिदेश में परिवर्तन :**

शेयरधारकों से अनुरोध है कि यदि उनके पते, लाभांश अधिदेश, बैंक विवरण आदि में कोई परिवर्तन होता है तो बैंक रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट को तत्काल सूचित कर देना चाहिए जिससे कि बाद में कोई असुविधा न हो.ऐसे शेयरधारक जो अपने शेयर्स इलेक्ट्रानिक फार्म में रखते हैं वे अपना अनुरोध रिकार्ड करने के लिए अपने डीपी से सम्पर्क कर सकते है.

8. **फोलिओ का समेकन :**

जिन शेयरधारकों के पास एक से अधिक खाते में अपने समरुप नाम से शेयर हैं, उनसे अनुरोध है कि वे रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट को शेयर प्रमाणपत्रों के साथ ऐसे खातों के लेजर फोलियो की सूचना दें ताकि बैंक एक खाते में सभी धारित शेयरों का समेकन कर सके. पृष्ठांकन संबंधी आवश्यक कार्रवाई करने के बाद सदस्यों को शेयर प्रमाणपत्र यथा समय लौटा दिए जाएंगे .

9. **अंतरणों के लिए प्रस्तुतीकरण:**

शेयर प्रमाणपत्रों को अंतरण विलेखों के साथ बैंक के रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट के पास निम्नलिखित पते पर भेजा जाना चाहिए :

मैसर्स कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लिमिटेड,
(इकाई : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
''कार्वी हाउस''
46, एवेन्यू - 4, स्ट्रीट नंबर - 1
बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034.

10. जिन शेयरधारकों ने पिछले वर्षों के अपने लाभांश पत्रों का नकदीकरण न कराया हो अथवा उन्हें प्राप्त न हुए हों, उन्हें सूचित किया जाता है कि वे

4. **CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS :**

The Register of Members and Share Transfer Books of the Bank will remain closed from 22nd July, 2005 to 29th July, 2005 (both days inclusive).

5. **PAYMENT OF DIVIDEND :**

The Board of Directors of the Bank in its meeting held on 20th May, 2005 has declared final dividend @ 32 % in addition to interim dividends paid @ 18% during the year ended 31st March,2005, such dividend being payable to those members whose names appear on the Register of Members of the Bank as on 31st May, 2005 i.e. Record Date. The dividends have been distributed to the eligible members on or before 17th June, 2005. In case any member has not received dividend for the current year or previous years, may lodge their request for issue of duplicate dividend warrants to Bank's Registrars & Transfer Agent.

6. **HOLDING BANK'S SHARES IN ELECTRONIC FORM WITH NATIONAL SECURITIES DEPOSITORY LIMITED AND CENTRAL DEPOSITORY SERVICES (INDIA) LIMITED :**

The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an Issuer Company for dematerialisation of Bank's shares.

7. **CHANGE OF ADDRESS / DIVIDEND MANDATE :**

Shareholders are requested to intimate change of their address, dividend mandate, Bank particulars, etc., to Bank's Registrars & Transfer Agent, immediately after such changes to avoid inconvenience at a later date. The shareholders holding their shares in electronic form may approach their DP for recording such requests.

8. **CONSOLIDATION OF FOLIOS :**

The Shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars & Transfer Agent, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.

9. **LODGEMENT FOR TRANSFERS :**

Share Certificate along with transfer deeds should be forwarded to the Registrars & Share Transfer Agent of the Bank at the following address.

M/S Karvy Computershare Private Ltd.,
(Unit :- BANK OF BARODA)
"KARVY HOUSE"
46, Avenue 4, Street No. 1,
Banjara Hills, Hyderabad – 500 034

10. The Shareholders who have not encashed / received their dividend warrants for the previous years are advised to approach the Registrars & Transfer Agent at Hyderabad or

www.reportjunction.com

रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट से हैदराबाद में अथवा बैंक के निवेशक सेवाएं विभाग, बड़ौदा से निम्नलिखित पते पर सीधे संपर्क करें.

निवेशक सेवाएं विभाग,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा,
चौथी मंजिल, सूरज प्लाज़ा- I,
सयाजीगंज, वड़ोदरा - 390 005

11. सदस्यों से अनुरोधः

कृपया नोट करें कि किफायत की दृष्टि से वार्षिक सामान्य बैठक में वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वितरित नहीं की जाएंगी. अतः सदस्यों से अनुरोध है कि वे बैठक में वार्षिक रिपोर्ट की प्रति साथ लेकर आएं.

12. शेयरधारक कृपया नोट करें कि बैठक स्थल पर कोई भी गिफ्ट / कूपन वितरित नहीं किया जाएगा.

at Bank's Investors' Services Department at Vadodara on the following address :

Investors' Services Department
Bank of Baroda
4th Floor, Suraj Plaza – I,
Sayajigunj, Vadodara – 390005

11. REQUEST TO MEMBERS :

Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting as an economy measure. Hence, members are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting.

12. Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the venue of the meeting.

ReportJunction.com

www.reportjunction.com

निदेशकों की रिपोर्ट DIRECTORS' REPORT

प्रिय सदस्यगण,

हम बैंक की 97वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष का लेखा परीक्षा तुलन-पत्र और 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष का लाभ हानि लेखा एवं नकदी प्रवाह विवरण सहर्ष प्रस्तुत कर रहे हैं.

स्थूल आर्थिक परिदृश्य :

वर्ष 2004-05 के प्रारंभ में तेल के दामों में वैश्विक स्तर पर जारी वृद्धि और परिणाम स्वरुप मुद्रास्फीति में हुई उत्तरोत्तर देश व्यापी बढ़ोतरी के कारण आर्थिक स्तर पर अनिश्चितताएं बनी रहीं, अनेक क्षेत्रों में मानसून के आने में हुई देरी से खरीफ फसलों पर विपरीत प्रभाव पड़ा. इसे देखते हुए वास्तविक सकल देशी उत्पाद का आधिकारिक प्राक्कलन वर्ष के प्रारंभ में मौजूद 6.5%-7% से गिरकर वर्ष के मध्य तक आते आते 6.0%-6.5% रह गया. किसी हद तक कृषि में आए लचीलेपन और औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र में हुई उत्साहजनक वृद्धि के फलस्वरुप देश का वास्तविक सकल देशी उत्पाद पिछले वर्ष में अर्जित 8.2% की तुलना में वर्ष 2004-05 के लिए 6.9% रहा. जहां कृषि क्षेत्र में 1.1% की वृद्धि हुई. वहीं औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों में क्रमशः 8.3%और 8.6%की शानदार वृद्धि दर्ज की गई. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में चीन के बाद भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहा.

एम 3 नियमों के अनुरुप मुद्रा आपूर्ति में पिछले वर्ष के 16.7% की तुलना में 12.8% की शुद्ध ऋण रुपांतरण बढ़ोत्तरी हुई और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की 14.1% (शुद्ध ऋण रुपांतरण) की सकल जमा वृद्धि पिछले वर्ष में दर्ज 17.5% वृद्धि की तुलना में कम रही. दूसरी ओर संपदा क्षेत्र में आई प्रफुल्लता से बड़े पैमाने पर ऋण समायोजन हुआ, जिसके परिणाम स्वरुप गैर खाद्य ऋण (शुद्ध ऋण रुपांतरण) में पिछले वर्ष के 18.4% की तुलना में 26.5% की वृद्धि हुई.

खुदरा मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू पीआई) पर आधारित हैडलाइन मुद्रास्फीति दर में अगस्त, 2004 के अंत में 8.33% के उच्च स्तर पर पहुंच गई. इस प्रकार इसमें 6.40% की औसत वार्षिक वृद्धि हुई. प्रमुख वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और विशेषतः ऊर्जा मदों के मूल्य में हुई वृद्धि के कारण पिछले वर्ष मुद्रास्फीति की दर बढ़ी. बढ़ती हुई मुद्रा स्फीति पर चिन्ताएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर तेल के दामों में हुई वृद्धि का प्रभाव अभी पूर्णतः स्वदेशी तेल कीमतों पर नहीं पड़ा है.

वृद्धिशील मूल्य स्थिति, बढ़ी हुई ऋण मांग, बाजार में गिरती हुई अतिरिक्त अधिशेष तरलता, बढ़ते राजकोषीय घाटे के वित्त पोषण हेतु सरकारी उधार कार्यक्रम आदि ने ब्याज दरों पर और अधिक दबाव डाला है. 10 वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों के बैंच मार्क पर अर्जन, जो अप्रैल, 2004 में करीब 5.18% था, मार्च, 2005 की समाप्ति पर 6.68% तक पहुंच गया. इस प्रकार इसमे 150 आधार अंकों की वृद्धि हुई. पूर्व में बड़ा मुनाफा दर्शाने वाली बैंकों की सभी सावधि आय प्रतिभूतियों ने कुछ हद तक अपना मुनाफा खो दिया और कम महत्व की प्रतिभूतियों ने मूल्यह्रास दर्शाया जिसकी वजह से कई बैंकों के लाभ एवं हानि खाते विपरीत रुप से प्रभावित हुए.

आईएनआर के साथ यूएसडी के लिए हाजिर विनिमय बाजार दर, अगस्त, 2004 में प्रति यूएस डॉलर रु.46.42 की उच्चदर से फरवरी 2005 में प्रति यूएस डॉलर रु.43.40 हो गई. विदेशी मुद्रा के बढते स्तर और निर्यातों में आई तेजी ने वर्ष के दौरान स्थूल आर्थिक असंतुलन को दुरुस्त करने में मदद की. वर्षभर के दौरान भारतीय पूंजी बाजार में वित्तीय संस्थागत निवेश का क्रमिक अंतर्वाह बना रहा जो वर्ष 2004-05 के दौरान यूएस डॉलर 11.61 बिलियन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया. भारत में विदेशी

Dear Members,

We are pleased to present the Ninety Seventh Annual Report, along with the audited Balance Sheet as on March 31, 2005, the Profit & Loss Account and the Cash Flow statement for the year ended March 31, 2005.

Macroeconomic Scenario :

At the beginning of the year 2004-05, there were uncertainties on the economic front on account of continued increase in oil prices globally and consequent spiraling inflation within the country. Delayed monsoon in several regions had adverse impact on Kharif output. In view of this, the official estimate of real GDP growth has been brought down from 6.5%-7.0% at the beginning of the year to 6.0%-6.5% by middle of the year. Thanks to the resilience of agriculture to some extent and buoyant industrial and services sector growth, the country could end up with real GDP growth of 6.9% for the year 2004-05, in comparison to 8.2% achieved in the previous year. While agricultural sector grew by 1.1%, industrial and services sectors recorded a robust growth of 8.3% and 8.6% respectively. In the global context, India continued to be the fastest growing economy next only to China.

Money supply measured in terms of M3 increased by 12.8% net of conversion as compared to 16.7% in the previous year and growth of aggregate deposits of scheduled commercial banks at 14.1% (net of conversion) was lower than 17.5% increase registered in the previous year. Buoyancy in real sector on the other hand facilitated larger credit absorption resulting in 26.5% growth in non-food credit (net of conversion) compared to 18.4% in the previous year.

The headline inflation rate based on wholesale Price Index (WPI) showed an average annual increase of 6.40% after reaching a peak of 8.33% in end August 2004. An increase in the prices of primary articles, manufactured products and more particularly energy items contributed to rising inflation last year. Concerns for rising inflation have not yet eased since the increase in global oil prices is not entirely passed to domestic fuel prices yet.

Hardening price situation, accelerated credit demand, declining surplus liquidity in the market, large-sized government borrowing programme to finance fiscal deficit, etc. have put upward pressure on interest rates. The yield on benchmark 10 year G-sec, which was around 5.18% in April 2004 reached 6.68% by end-March 2005, an increase of 150 basis points. All fixed income securities of banks, which showed high appreciation earlier, lost appreciation to some extent, and low coupon securities showed depreciation, which adversely affected the profit and loss accounts for many banks.

The spot exchange rate for INR vis-à-vis USD varied from a high of Rs 46.42 per USD in August 2004 to Rs. 43.40 per USD in February 2005. A high level of Forex reserves and accelerated growth in exports have helped in smoothening the macroeconomic imbalances during the year. The year also witnessed continuous inflows of FII investment in the Indian stock market, which reached an all-time high of USD 11.61 bn, during 2004-05. Foreign Direct

www.reportjunction.com

प्रत्यक्ष निवेश भी वर्ष 2004-05 के दौरान बड़े पैमाने पर हुआ. वर्ष 2003-04 के दौरान यूएस डॉलर 4.7 बिलियन की तुलना में जनवरी, 2005 तक ही कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश यूएस डॉलर 4.2 बिलियन तक पहुंच गया.

प्रौद्योगिकी समर्थित व्यवसाय रुपांतरण कार्यक्रम :

अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाला वास्तविक राष्ट्रीय बैंक बनने के बैंक के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने एक व्यापक परियोजना तैयार की है जिसे ''प्रौद्योगिकी समर्थित व्यवसाय रुपांतरण परियोजना'' के रुप में जाना जाता है. बैंक के प्रौद्योगिकी प्रयास मात्र प्रौद्योगिकी उपाय उन्नयन के बजाय मुख्यतः रुपांतरण के मूलभूत उद्देश्य द्वारा संचालित होंगे. अतः बैंक ने अधिक संगठित तरीके के बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाने के क्रम में सिंगल प्रोवाइडर के साथ-साथ समग्र समाधान की पहचान का अनूठा दृष्टिकोण अंगीकार किया है जो संव्यवहार प्रक्रिया के मात्र स्वचालन से बिल्कुल भिन्न है.

परियोजना मुख्यतः इस प्रकार तैयार की गई है कि समाधान के द्वारा आपका बैंक निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा कर सके.

1. ग्राहक को केंद्र बिंदु के रुप से स्थापित करना - ''शाखा ग्राहक'' की अवधारणा को ''बैंक ग्राहक'' की अवधारणा में परिवर्तित करना.
2. ग्राहक को 24 घंटे व सातों दिन कहीं भी बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करना.
3. प्रौद्योगिकी नियोजन से सम्बद्ध कारोबार आवश्यकता.
4. व्यावसायिक वृद्धि के लिए प्रमुख इनपुट के रुप में प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग.
5. प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अंतर्गत समस्त उत्पादों और सेवाओं को हासिल करना.
6. आपके बैंक को अनुकूल क्रियाशील एवं सुव्यवस्थित संगठन में रुपांतरित करना.

आपके बैंक ने अपने प्रौद्योगिकी भागीदार का चयन कर लिया है जो लगभग 4 वर्षो में लक्षित प्रौद्योगिकी प्लेटफोर्म को स्थापित करने, कार्यान्वित करने और इसके रखरखाव में मदद करेगा. 31 मार्च, 2006 को समाप्त पहले वर्ष में बैंक ने कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) के अंतर्गत 125 शाखाओं में सीबीएस रोल आउट की योजना बनाई है जबकि 31 मार्च, 2007 को समाप्त दूसरे वर्ष में भारत में 600 से अधिक शाखाओं और सभी अंतर्राष्ट्रीय शाखाओं को सीबीएस के तहत लाया जाएगा. इस प्रकार इस नेट वर्किंग के अंतर्गत भारत तथा विदेश मे 1600 से अधिक शाखाएं शामिल होंगी. ऐसे प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म के साथ बैंक के ग्राहकों को बहुविध सेवा माध्यमों, अर्थात शाखाएं, एटीएम, टेलिफोन, इंटरनेट और मोबाइल डिवाइसों के द्वारा सभी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी. ग्राहकों को ये सभी सेवाएं 'कहीं भी किसी भी समय' आधार पर उपलब्ध होंगी.

केंद्रीयकृत बैंकिंग प्रणाली के आसपास बनाए जाने वाले वित्तीय अनुप्रयोग इस प्रकार हैं. उद्यम व्यापी महाबही, जोखिम प्रबंधन एवं बासेल II अनुपालन, मानव संसाधन प्रणाली, डाटा वेयरहाउस, ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम), इंटरनेट बैंकिंग, भुगतान प्रणाली, ऑन लाइन लेन-देन, ऋण प्रक्रिया पद्धति, तत्काल निपटान एवं चेक छायांकन, इन्हे चरणबद्ध रुप से निरुपित किया जाएगा.

दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली, मेल व मैसेजिंग प्रणाली और ज्ञान प्रबंधन प्रणाली सहित समर्थक सेवाओं के आगमन से अधिकांश बैंकिंग प्रक्रियाएं पूर्णतः स्वचालित

Investments in India was also of a higher order in the year 2004-05. Total FDI up to Jan, 2005 stood at USD 4.2 bn in comparison to USD 4.7 bn during the full year 2003-04.

Technology Enabled Business Transformation Programme:

In keeping with the Bank's goal of emerging as a true National Bank of International Standards, your Bank has embarked upon a comprehensive project known as "Technology Enabled Business Transformation Project". Bank's technology initiatives are primarily driven by the fundamental objective of "transformation" rather than mere technology up-gradation. Bank has, therefore, adopted a unique approach of identifying a total solution with a single provider in order to acquire a competitive edge in the market place in a more organized manner, which is radically different from merely automating the transaction processing system.

The project broadly envisages that the solution will enable your Bank to realize the following objectives:

1. Establishing customer at the centre of focus – shift to the concept of "bank-customer" from "branch-customer".
2. Empowering the customer with 24 x 7 anywhere banking.
3. Business need driving the deployment of technology.
4. Optimum use of technology as a key input for business growth.
5. Capturing the entire products & services within the ambit of technology.
6. Transforming your Bank into an adaptive, responsive & real-time organization.

Your Bank has selected its Technology Partner who will help the Bank establish, implement and maintain the targeted technology platform in about 4 years. In the first year ending 31st March 2006, the Bank has planned CBS roll-out in 125 branches under the Core Banking Solution (CBS), while at the end of the second year as at 31st March 2007, over 600 branches in India and all the International branches will be brought under CBS, with a networking backbone covering over 1600 offices in India and abroad. With such technology platform, all banking services will be available to the customers of the Bank through multiple service channels, viz., branches, ATMs, Telephone, Internet and mobile devices. Services will be available to the customers on anywhere anytime basis.

The financial applications to be built around the Centralised Banking System are Enterprise-wide General Ledger, Risk Management & BASEL II compliance, Human Resources Management System, Data warehouse, Customer Relationship Management (CRM), Internet Banking, Payment System, On-line trading, Loan Processing System, Global integration of Treasury, Real Time Gross Settlement & Cheque Truncation – which will be deployed in a phased manner.

Support services including Document Management System, Mail and Messaging System and Knowledge Management System,

www.reportjunction.com